वन उत्पादकता संस्थान, रांची

प्रदर्शन ग्राम कुटाम, तोरपा

जैविक खाद (केचुआ खाद) उत्पादन एवं प्रदर्शन पर प्रशिक्षण

दिनांक 29.09.2021

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 29.09.2021 को संस्थान के श्री एस. एन. वैद्य एवं श्री सुभाष चंद्र के नेतृत्व में गठित एक दल द्वारा नवस्थापित प्रदर्शन ग्राम कुटाम, तोरपा में जैविक खाद (केचुआ खाद) उत्पादन एवं प्रदर्शन विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गयी,जिसकी कुटाम ग्राम वार्ड सदस्य श्रीमती लखेश्वरी देवी की अध्यक्षता में शुभारम्भ किया गया। इन्होंने संस्थान के तकनीक का अनुपालन करने एवं उपयोग में लाने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित भी किया ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के श्री बी.डी. पंडित ने प्रशिक्षण के महत्व एवं प्रदर्शन ग्राम के लिए भावी कार्यक्रम की चर्चा करते हुए संस्थान के दल से परिचय तथा संस्थान के गतिविधियो से अवगत कराया। आज के परिप्रेक्ष में जैविक खाद की आवश्यकता एवं आय सृजन में इसके महत्व से अवगत कराया।

स्वयं सेवी संस्था के श्री सुनील शर्मा ने जैविक खाद बनाने में लगने वाले लागत से कई गुणा आमदनी की बात समझाते हुए मूल्यवर्धन के उपाय तथा संस्थान के इस पहल की सराहना की। ग्राम प्रधान श्री जितू डोडराय ने संस्थान की गतिविधियों मे पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन देते हुए जैविक खाद को अपने –अपने खेतों में उपयोग करने पर बल दिया।

प्रचारक दीदी, श्री हेमंती देवी ने ग्रामीणों को संस्थान द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे तकनीक को अपनाने एव अपनी आजीविका में सुधार लाने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री एस. एन. वैद्य ने कुटाम ग्राम को प्रदर्शन ग्राम के तहत विकसित करने के लिए संस्थान के निदेशक के प्रयासों की चर्चा करते हुए भविष्य के कार्यक्रम से ग्रामीणों को अवगत कराया। इन्होने ग्रामीणों से आग्रह किया की प्रशिक्षण में अपनी जिज्ञासा प्रशिक्षकों के समक्ष अवश्य रखें।

संस्थान के वैज्ञानिक श्री सुभाष चंद्र ने प्रशिक्षण व्याख्यान में ग्रामीणो को जीव जगत में कीट के महत्व एवं योगदान के बारे में विस्तार से बताया। इन्होने बताया कि 98% कीट का योगदान प्रकृति के संचालन में महत्वपूर्ण है। श्री सुभाष चंद्र ने जीव जगत के लिए लाभदायक कीट एवं नुकशानदायक कीटों के बारे में भी ग्रामीणो से चर्चा की। इन्होने केचुआ को प्रकृति एवं किसान का दोस्त बताया जो बिना पारिश्रमिक के लगातार मिट्टी का जूताई करता रहता है। इन्होने केचुआ खाद निर्माण की सारी विधियों से अवगत कराया तथा भविष्य की पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए रासायनिक खाद के बदले जैविक खाद के उपयोग पर बल दिया। इन्होने बताया कि जैविक खाद से उत्पादित अनाज या अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता काफी बढ़ जाती है जिस कारण बाजार में मूल्य भी अधिक प्राप्त होता है। ग्रामीणो द्वारा पूछे गये सभी प्रश्नो का संतोष जनक उत्तर दिया गया।

श्री सुभाष चन्द्र के निर्देशन एवं श्री पंडित, श्री सूरज कुमार एवं श्री एस. एन. वैद्य के सहयोग से एक वर्मी बेड को तैयार कर सारी प्रक्रियाओं को विस्तार से बताते हुए कुटाम ग्राम के ग्रामीणो के समक्ष प्रदर्शित किया गया तथा उपलब्ध केचुआ को छोड़ते हुये लाभुक श्री दाउद डोडराय को वर्मी बेड समर्पित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संस्थान के तकनीकी अधिकारी श्री पंडित एवं व.त.स. श्री सूरज कुमार ने कार्यक्रम की व्यवस्था में ग्राम सेवा संस्था के श्री रंजीत मांझी, प्रेरक दीदी श्रीमती हेमंती देवी, पुणम

देवी बंधना डोडराय को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम समापन की घोषणा की । संस्थान के दल को प्रदर्शन ग्राम कुटाम के ग्रामीणो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ स्वागत करते हुए विदाई की।

प्रदर्शन ग्राम कुटाम के ग्रामीणो को सम्बोधान एवं केचुआ खाद पर प्रशिक्षण

प्रदर्शन ग्राम कुटाम के ग्रामीणो को सम्बोधान एवं केचुआ खाद पर प्रशिक्षण

प्रदर्शन ग्राम कुटाम के ग्रामीणो को सम्बोधान एवं केचुआ खाद पर प्रशिक्षण

प्रदर्शन ग्राम कुटाम के ग्रामीणो को सम्बोधान एवं केचुआ खाद पर प्रदर्शन